तत्पुरुषस्याऽङ्गुलेः संख्याऽव्ययादेः

Name :- Soni Kumari
Class :- B.A III year
Deptt :- Sanskrit

प्रस्तुत सूत्र वरदराज विरचित लघुसिद्धान्तकौमुदी के समास प्रकरण का एक विधि सूत्र है। सूत्र का शब्दार्थ है — संख्यादि और अव्ययादि (अङ्गुले)। अङ्गुलिशब्दान्त (तत्पुरुषस्य) तत्पुरुष से — किन्तु इससे सूत्र का तात्पर्य स्पष्ट नहीं होता। अतः इसकी स्पष्टीकरण के लिए अधिकार सूत्र समासान्ताः' तथा 'अच् प्रत्यन्ववपूर्वात्' से 'अच्' की अनुवृत्ति करनी होगी। प्रत्ययः और परश्च' के अधिकार से यह अच्' प्रत्यय 'तत्पुरुष' से परे होता है। इस प्रकार सूत्र का भावार्थ होगा — जिस 'तत्पुरुष' के आदि में संख्यावाचक या अव्ययवाचक शब्द और अन्त में 'अङ्गुलि' शब्द हो, उससे परे समासान्त 'अच्' प्रत्यय होता है। उदा० — 'द्वे अङ्गुली प्रमाणमस्य' — इस विग्रह में तद्धितार्थ से द्वि का 'अङ्गुली' के साथ समास होकर 'द्वि अङ्गुलि' रूप बनता है। यह तत्पुरुष समास है। इसके आदि में संख्यावाचक 'द्वि' है और अन्त में 'अङ्गुलि' शब्द। अतः प्रकृत सूत्र से इससे परे अच् प्रत्यय हो 'द्वि अङ्गुलि अ' रूप बनेगा। तब 'अङ्गुलि' के इकार का लोप और यणादेश आदि हो 'द्व्यङ्गुलम्' रूप सिद्ध होता है।